2 क्राउन की सैक्शनिंग टॉप सैक्शन के पीछे क्राउन सैक्शन की जाती है क्राउन सैक्शनिंग करने के लिए एक कान से दूसरे कान तक सैक्शनिंग सिर के उभरे हिस्सो पर की जाती है

3 नेप सैक्शनिंग क्राउन सैक्शनिग करने के बाद जितने बाल पीछे बचते है उन्हे नैप सैक्शन कहा जाता है

4 साइड सैक्शनिंग अब टैम्पल से टाप और क्राउन सैक्शन मे सीधी पटिग की जाती है जिससे साइड सैक्शन निकल कर सामाने आता है

सैक्शन की पर्टिग बालो को काटने के लिए की गयी सैक्शनिंग मे सब सैक्शनिंग की आवश्यकता पडती है ताकि हेयरत्त कटिग करते समय हेयर डेसर को बाल पकडने मे परेशानी न हो यह एक गाइड लाइन के रूप मे प्रयोग की जाती है

सबसैक्शन

क्षैतिज

लम्बवत

विकर्ण

horizontzl Parting समकोण पर बाल काटने के लिए

vertical Parting लेयर कट या स्टैप कट मे बाल काटने के लिए

Diagonal Parting एण्डवास हेयर कटिग के लिए

Elevation एलीवेशन एंगल

बालो को उनके उगने की दिशा से उठाकर जिस एंगल पर काटा जाये एसे एलीवेशन कहते है

एलीवेशन को तीन भागो मे बांटा गया है

1 लो एलीवेशन - ज्यादातर हेयर स्टाइल मे बालो को गर्दन के पास रखकर काटा जाता है।

इनमे या तो एलीवेशन बिल्कुल नही होता है या तो बहुत कम एलीवेशन पर बाल काटे जाते है लो एलीवेशन का उदाहरण ब्लट कट यू कट है ।

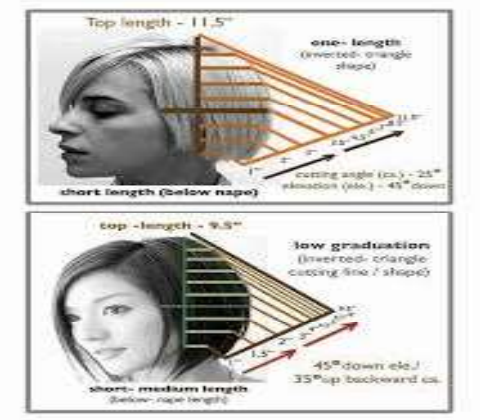

2 मीडियम एलीवेशन मीडियम एलीवेशन की कटिंग करे समय बालो मे वर्टिकल या डाइगोनल सब सैक्शनिंग की जाती है तथा बालो को उनकी नैचुरल ग्राथ से 45 डिग्री एगंल पर उठाकर काटा जाता है मीडियम एलीवेशन पर बाल काटने के साथ साथ बालो मे वाल्यूम तथा लेयर भी आते है।

3 हाई एलीवेशन - हाई एलीवेशन का प्रयोग स्टैप कटिंग के लिए किया जाता है इसमे नैप एरिया के बालो को लो एलीवेशन मे और क्राउन एरिया पर एलीवेशन मीडियम तथा टॉप पर आते आते हाई एलीवेशन हो जाता है ज्यादातर स्टैप कटिग मे 90 डिग्री के एगंल का प्रयोग करना चाहिए।

लम्बाई और परिधि

लम्बाई - लम्बाई खोपड़ी से बालो के छोर तक की दूरी है लम्बाई कटिग हेयर मे एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है

परिधि - पैरामीटर बाल काटने का बाहरी किनारा है

कटिगं लाइन - कटिंग लाइन को अगुली कोण उंगली की स्थिति काटने की स्थिति और कैंची कोण के रूप मे जाना जाता है यह कोण हेयर कट का अतिंम परिणाम बनाता है।

गाइड लाइन - गाइड लाइन बालो का एक भाग है जो यह निर्धारित करता है कि बालो को किस लम्बाई पर काटना है

Basics of Blow Dry

ब्लो ड्राई से सम्बन्धित मूल बाते

कटिंग के बाद बालो को सेट करना भी आवश्यक होता है बालो को ब्लो ड्राई करना सेटिंग की एक तकनीक है इससे र्स्टाइलिग मे भी असानी होती है बालो को बलो ड्राई करने से पहले थोडा गीला अवश्य करे इससे बालो के हल्के वेव भी दूर होते है ब्लो ड्राइग करते समय ड्रायर को बालो से 7-8 इंच दूर रखे ब्लो ड्राइंग करते समय कोम्ब को और ड्रायर को साथ साथ चलाये अन्यथा बाल जल सकते है

1 क्लाइट और ट्राली की तैयारी

2 शैम्पू करने के बाद क्लाइट को चेयर पर बैठाये

3 तैलियो से अतिरिक्त नमी निकाले ओर बालो की अडचने दूर करे

3 अब क्लाइट की गर्दन के चारो और टावल लगाये

4 सभी आवश्यक सामग्री और टूल को ट्राली मे व्यवस्थित करे

ब्लो ड्राइग की विधि

5 अब बालो मे स्टाइलिग के लिए जैसे मूस जेल स्प्रे आदि लगाये

6 अब अपने हाथो से बालो का कंघी को कासाथ मनचाहे आकार मे बाल ले

7 बालो की सैक्शनिंग करे अब नीचे से ऊपर की तरफ ब्लो ड्राइंग शुरू करे

8 हेयर शाफट पर उपर से नीचे की तरफ ड्रायर के नोजल को चलाये साथ हेयर शाफट के पिछले भाग पर ड्रायर के साथ साथ रोलर ब्रश चालये

9 हेयर ड्रायर और ब्रश को समान रूप से चलाये

10 हेयर ड्रायर मे कोल्ड फीचर का इस्तेमाल बालो को ठीक करता है जबकि हॉट फीचर बालो को नये रूप मे ढालता है।

ब्लो ड्राइंग करते समय सावधनियां

1 ब्लो ड्रायर को कभी कभी एक जगह पर जयादा देर तक न रखे